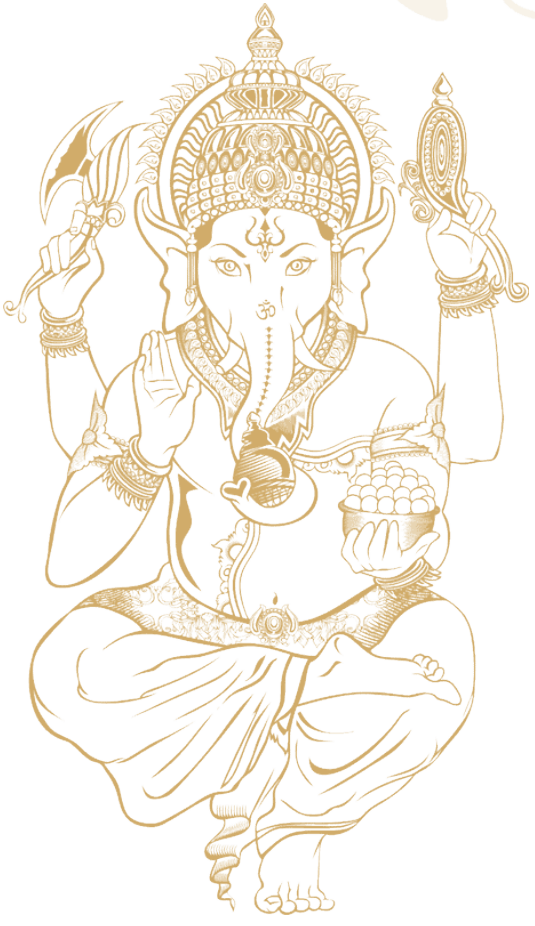

Viajy bhaiya Sanawad

11 Dec 1980

12:00 AM

Barwahi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121873406

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10-11/12/1980**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	42:43:13 घटी
स्थान	**Barwahi**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:16:00 उत्तर
रेखांश	76:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:34:12 घंटे
वेलान्तर	00:07:08 घंटे
साम्पातिक काल	04:52:45 घंटे
सूर्योदय	06:54:42 घंटे
सूर्यास्त	17:42:39 घंटे
दिनमान	10:47:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	25:17:13 वृश्चिक
लग्न के अंश	20:52:57 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ध्रुव
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोजराज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	20:52:57	331:53:52	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृश्चि	25:17:13	01:01:00	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	02:02:45	12:55:00	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	20:42:49	00:46:20	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	13:58:24	01:32:13	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	13:46:55	00:07:35	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	27:05:21	01:14:34	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	स्वराशि
शनि			कन्या	14:52:04	00:03:58	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	18:26:51	00:02:32	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:26:51	00:02:32	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	03:39:33	00:03:32	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप			वृश्चि	28:40:16	00:02:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			तुला	00:07:05	00:01:35	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			वृष	20:54:52	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:14

लग्न-चलित

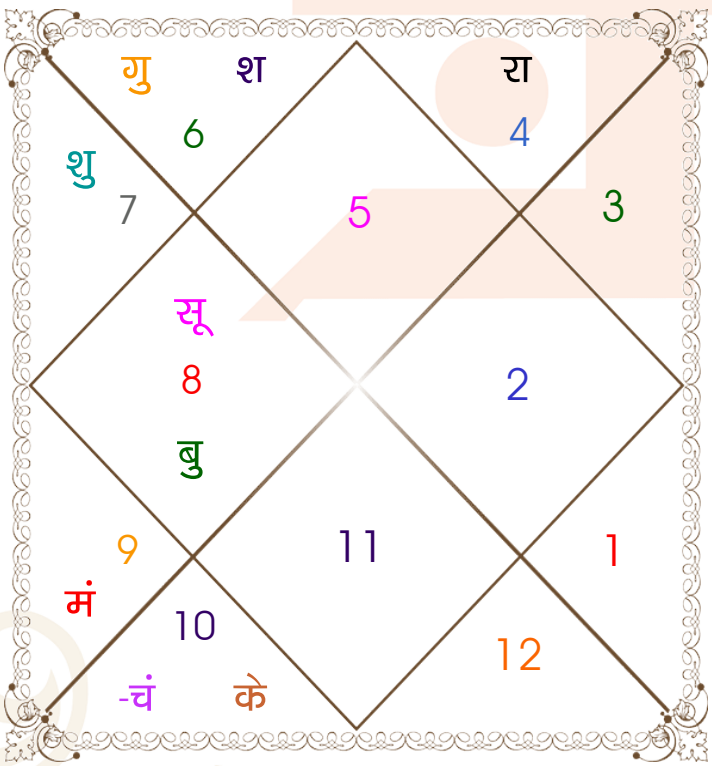

चन्द्र कुंडली

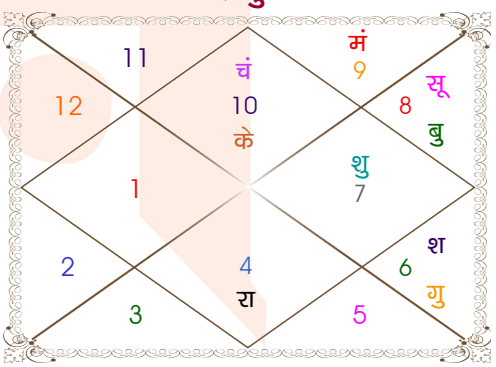

नवमांश कुंडली

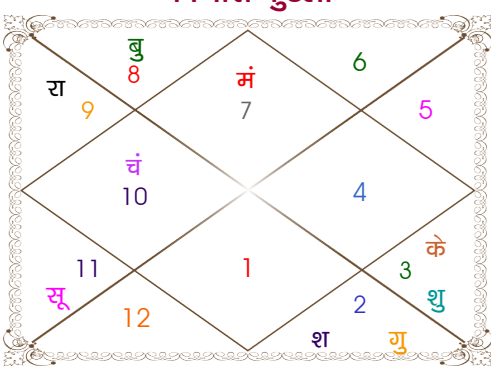

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 6 मास 29 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/12/1980		10/07/1984		10/07/1994		10/07/2001		11/07/2019	
10/07/1984		10/07/1994		10/07/2001		11/07/2019		11/07/2035	
	00/00/0000	चंद्र	10/05/1985	मंगल	07/12/1994	राहु	22/03/2004	गुरु	28/08/2021
	00/00/0000	मंगल	09/12/1985	राहु	25/12/1995	गुरु	16/08/2006	शनि	10/03/2024
	00/00/0000	राहु	10/06/1987	गुरु	30/11/1996	शनि	22/06/2009	बुध	16/06/2026
	11/12/1980	गुरु	09/10/1988	शनि	09/01/1998	बुध	09/01/2012	केतु	23/05/2027
गुरु	16/05/1981	शनि	11/05/1990	बुध	06/01/1999	केतु	27/01/2013	शुक्र	21/01/2030
शनि	28/04/1982	बुध	10/10/1991	केतु	04/06/1999	शुक्र	28/01/2016	सूर्य	09/11/2030
बुध	05/03/1983	केतु	10/05/1992	शुक्र	03/08/2000	सूर्य	21/12/2016	चंद्र	10/03/2032
केतु	11/07/1983	शुक्र	09/01/1994	सूर्य	09/12/2000	चंद्र	22/06/2018	मंगल	14/02/2033
शुक्र	10/07/1984	सूर्य	10/07/1994	चंद्र	10/07/2001	मंगल	11/07/2019	राहु	11/07/2035

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/07/2035		10/07/2054		11/07/2071		10/07/2078		10/07/2098	
10/07/2054		11/07/2071		10/07/2078		10/07/2098		00/00/0000	
शनि	13/07/2038	बुध	06/12/2056	केतु	07/12/2071	शुक्र	09/11/2081	सूर्य	28/10/2098
बुध	23/03/2041	केतु	03/12/2057	शुक्र	05/02/2073	सूर्य	09/11/2082	चंद्र	29/04/2099
केतु	01/05/2042	शुक्र	03/10/2060	सूर्य	13/06/2073	चंद्र	10/07/2084	मंगल	03/09/2099
शुक्र	01/07/2045	सूर्य	10/08/2061	चंद्र	12/01/2074	मंगल	09/09/2085	राहु	29/07/2100
सूर्य	13/06/2046	चंद्र	09/01/2063	मंगल	10/06/2074	राहु	09/09/2088	गुरु	12/12/2100
चंद्र	12/01/2048	मंगल	06/01/2064	राहु	28/06/2075	गुरु	11/05/2091		00/00/0000
मंगल	20/02/2049	राहु	26/07/2066	गुरु	03/06/2076	शनि	10/07/2094		00/00/0000
राहु	28/12/2051	गुरु	30/10/2068	शनि	13/07/2077	बुध	10/05/2097		00/00/0000
गुरु	10/07/2054	शनि	11/07/2071	बुध	10/07/2078	केतु	10/07/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 6 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।